अनेकांत एज्युकेशन सोसायटी,

rqGtkjke prqjpan egkfon~;ky;] ckjkerh

¼dyk] foKku o okf.kT;½

(स्वायत्त)

izFke o"kZ okf.kT; [FYBCom]

lkekU; fgUnh [HINDI GENERAL]

lsfeLVj	isij dksM ua-	isij dk uke	ØsfMV
I	**COMHIN1107C**	lkekU; fgUnh	03
II	**COMHIN1207C**	lkekU; fgUnh	03

iFke o"k okf.kT; [FYBCom]

SEMISTER – I/II

lkekU; fgUnh

HINDI GENERAL

PAPER CODE : COMHIN1107C / COMHIN1207C

उद्देश; %

१. छात्रों मे राजभाषा एवं राष्ट्रभाषा के प्रति अभिरुचि संवर्धित करना ।
२. छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि कहानिकारों एवं कवियों से परिचित कराना ।
३. छात्रों को काव्य के भाव एवं शिल्पगत सौंदर्य का आस्वाद कराना ।
४. छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन लेखन की क्षमताओं को विकसित करना ।
५. छात्रों को हिंदी शुद्धलेखन की नियमावली का ज्ञान देकर अशुद्धियों के प्रति सचेत करना ।
६. छात्रों को विविध कार्यालयों तथा बैंक, डाक, रेल में प्रयुक्त हिंदी से परिचित कराना।
७. छात्रों में व्यावसायिक तथा कार्यालयीन पत्र लेखन की क्षमता विकसित करना ।
८. छात्रों को ई–मेल के संदर्भ में जानकारी देना ।
९. छात्रों को हिंदी में अहवाल लेखन के संदर्भ में परिचित कराना ।
१०. छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना ।

vif{kr lkfj.kke (**Outcomes**) :

१. छात्रों में राष्ट्रभाषा के प्रति प्रेम निर्माण होगा।
२. साहित्य के द्वारा नैतिक मुल्य आत्मसात होंगे।
३. छात्रों में व्यावसायिक दृष्टि विकसित होगी ।
४. समाज में अच्छे इंसान बनने की प्रवृत्ति विकसित होगी ।
५. हिंदी भाषा अभिव्यक्त तार्किक समझ को बढावा देते हुए छात्रों में अपनी राय अभिव्यक्त करने में सहायता मिलेंगी ।

v/;kiu in/kfr %

१. व्याख्यान तथा विश्लेषण ।
२. भाव के अनुसार गदय तथा पदय का पठन ।
३. पाठयपुस्तकेतर पाठयक्रम पर आधारित प्रात्यक्षिक ।
४. विषय विषशज्ञों के व्याख्यान ।
५. दृक–श्रव्य साधनों का प्रयोग ।
६. ICT का प्रयोग

ikB;iLrd%

१. गद्य परिमल – संपादक : डॉ. सुभाष तळेकर, डॉ. रामचंद्र साळुंके
प्रकाशक – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

२. पद्य परिमल – संपादक : डॉ. सुभाष तळेकर, डॉ. रामचंद्र साळुंके
प्रकाशक – जगत भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

ikB;Øe

iFke l= [SEMISTER – I]

PAPER CODE : HIN 1101

इकाई नं	पाठ्यविषय :	क्रेडिट	तासिकाएँ
1) गद्य	1) परीक्षा (कहानी) – प्रेमचंद 2) हार की जीत (कहानी) – सुदर्शन 3) पिता – ज्ञानरंजन 4) प्रेम की बिरादरी (व्यंग्य) – हरीशंकर परसाई 5) समय नहीं मिला – श्रीमन्नारायण अग्रवाल	01	16
2) पद्य	1) मुकरी – भारतेंदु हरिश्चंद्र 2) एक बूंद – आयोध्यासिंह उपाध्याय 3) मेरा जीवन – सुभद्राकुमारी चौहान 4) प्रार्थना मत कर – हरीवंशराय बच्चन 5) कलम और तलवार – रामधारी सिंह 'दिनकर'	01	16
3) पाठ्य–पुस्तकेतर पाठ्यक्रम	अ) पत्राचार 1) व्यावसायिक पत्र (मांग पत्र, एजेंसी के लिए पत्र) 2) बैंकिंग पत्र (ऋण लेने, खाता खोलने के लिए पत्र) 3) ई–मेल लेखन ब) बैंक, रेल, डाक विभाग से संबधित विभिन्न पर्चीयों की जानकारी और प्रात्यक्षिक कार्य।	01	16

nforh; l= [SEMISTER – II]
PAPER CODE : HIN

इकाई नं	पाठ्यविषय :	क्रेडिट	तासिकाएँ
1) गद्य	1) पहली चूक (व्यंग निबंध) – श्रीलाल शुक्ल 2) वैश्विक गांव के व्यापारी (कहानी) – ज्ञान चतुर्वेदी 3) महाशूद्र (कहानी) – मोहनदास नैमिशराय 4) अग्निपथ (कहानी) – मालती जोशी 5) प्रश्नयुग – रमेश दवे	01	16
2) पद्य	1) जो लक्ष्य है मिलेगा – गिरिराजशरण अग्रवाल 2) वृंदावन – कुसुम अंसल 3) एक बार फिर आओ – जयप्रकाश कर्दम 4) गुडाई करते समय – एकांत श्रीवास्तव 5) मनुष्यता – अलीक	01	16
3) पाठ्य–पुस्तकेतर पाठ्यक्रम	अ) विज्ञापन लेखन ब) वृत्तांत लेखन (महाविद्यालय समारोह, सामाजिक समारोह, प्राकृतिक आपदाएँ, दुघर्टनाएँ) क) कार्यक्रम संयोजन कौशल – प्रस्तावना, स्वागत, अतिथि परिचय, आभार ज्ञापन, (प्रात्यक्षिक कार्य)	01	16

I nHk xFk %

१. साहित्यिक विधाएँ : सैद्धांतिक पक्ष – डॉ. मधु धवन

२. समकालीन हिंदी कहानी का इतिहास – डॉ. अशोक भाटिया

३. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

४. व्यावहारिक हिंदी – कैलाशचंद्र भाटिया

५. व्यावहारिक हिंदी – ओमप्रकाश पांडेय

६. दलित साहित्य एक मूल्यांकन – प्रो. चमनलाल

७. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी भाषा – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया / रचना भाटिया

८. भाषा के विविध रूप और अनुवाद – प्रो. कृष्णकुमार गोसावी

९. हिंदी और उसका व्यवहार – डॉ. वसंत मोरे

१०. हिंदी कहानी अंतरंग पहचान – डॉ. रामदरश मिश्र

११. हिंदी कहानी : संरचना और संवेदना – डॉ. साधना शाह

१२. दलित चेतना की कहानियाँ – बदलती परिभाषाएँ – राजमणि शर्मा

१३. समकालीन कहानी का समाजशास्त्र – देवेंद्र चौबे

१४. नये कवि एक अध्ययन – डॉ. संतोषकुमार तिवारी

१५. साठोत्तरी हिंदी कहानियों में पुरूष चरित्र – डॉ. दीपा मैलारे

१६. राजभाषा हिंदी का प्रयुक्तिपरक विष्लेषण – डॉ. सुषमा कोंडे

१७. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातम आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख

१८. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. मधुकर राठोड

१९. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. गोरख थोरात